A–1042

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY–202

M.A. Jyotish (MAJY)

(ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार)

2nd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाभस योगों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

अथवा

आकृतियोग के भेद का उल्लेख कीजिए।

2. आश्रय योग से आप क्या समझते हैं ? इनके भेदों का भी वर्णन कीजिए।

अथवा

राजयोग किसे कहते हैं ? सोदाहरण विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. नीचोच्च भंग राजयोग से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

4. विंशोत्तरी दशा साधन क्या है ? स्वकल्पित उदाहरण के साथ साधन कीजिए।

अथवा

दशा साधन का महत्व व प्रयोजन के विषय में विस्तारपूर्वक लिखिए।

5. योगिनी दशा का परिचय देते हुए उसके फलादेश कर्तव्यादि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

अथवा

अन्तर-प्रत्यंतर दशा का परिचय देते हुए उसके महत्व को भी प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नौका–कूट–छत्र और चाप योगों का लक्षण सहित फल का उल्लेख कीजिए।
2. माला–गदा–शकट–शृंगारक योगों के लक्षण लिखिए।
3. दारिद्रय योग से क्या तात्पर्य है ?

अथवा

पराशरोक्त दारिद्र योग का वर्णन कीजिए।

4. कुण्डली में मारक स्थान कौन–कौनसे होते हैं ? उससे मारक स्थानों का निर्धारण कैसे करते हैं ?
5. मारक योगों पर टिप्पणी लिखिए।
6. गुरु एवं शुक्र महादशा का फल लिखिए।
7. शनि एवं राहु महादशा का फल लिखिए।
8. शत्रु राशिस्थित चन्द्र दशा का फल लिखिए।

अथवा

प्राण दशा का परिचय दीजिए।

****